चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	8.7.22	2	6-8

• असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को कार्य करने में मिलेगा लाभ

एचएयू के बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन को मिला डिजाइन अधिकार, होगी सुविधा

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन नामक डिजाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिजाइन अधिकार मिला है। भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से जारी डिजाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को 339710-001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि इस उत्पाद के अविष्कार से मनका उत्पाद बनाने वाली असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को कार्य करने में बहुत सुविधा होगी। यह वर्कस्टेशन प्रमुख रूप से फर्श पर बैठकर कार्य करने वाले शिल्प श्रमिकों को पीठ के ऊपरी व निचले हिस्से, गर्दन और अग्र-भुजाओं से संबंधित मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से बचाता है इसलिए इसका उपयोग अन्य बहुउद्देशीय बैठकर कार्य करने के लिए भी किया जा सकता है। इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, सहायक निदेशक आईपीआर सेल, डॉ. विनोद कुमार व मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य उपस्थित थे।

एचएयू के कुलपति प्रो. बी आर काम्बोज के साथ प्रोडक्ट वर्कस्टेशन डिजाइन करने वाली छात्रा एकता मलकानी।

व्यवहार्य सहायता मिलती है: वीसी

कुलपति ने कहा भारत में असंगठित महिला श्रमिकों का एक बड़ा हिस्सा घरेलू कामगारों के रूप में कार्य करता है और ये महिलाएं बिना किसी सुरक्षा और कठोर परिस्थितियों के काम करती हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय किसानों व आम लोगों के लाभ की ऐसी कई तकनीकों पर काम कर रहा है जिन्हें सही मार्गदर्शन के द्वारा भविष्य में और भी बेहतर बनाने एवं बौद्धिक सम्पदा के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने यह बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन डिजाइन करने वाली विश्वविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की शोध छात्रा एकता मलकानी व उनकी गाइड डॉ. मंजू महता को बधाई दी।

श्रमिकों को काम में सक्षम बनाता है

डॉ. मंजू महता ने कहा कि मनके के तार और मोतियों के आभूषण बनाने में लगी महिलाएं फर्श पर बैठकर लंबे समय तक काम करती हैं। यह वर्कस्टेशन पीठ के ऊपरी हिस्से को आगे की ओर झुकाए बिना एक समय में 2-4 महिलाओं को एक साथ काम करने के लिए आरामदायक जगह प्रदान करता है। वर्कस्टेशन का स्लाइडिंग समायोजन इस उत्पाद की कॉम्पैक्टनेस और गतिशीलता के साथ जगह की भी बचत करता है। इसमें भंडारण के लिए स्थान होने के चलते यह श्रमिकों को उनकी सामान्य पहुंच में काम करने में सक्षम बनाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	8.7.22	4	1-6

सुविधा

फर्श पर बैठकर कार्य करने वाले शिल्प श्रमिकों को पीठ के ऊपरी व निचले हिस्से, गर्दन और अग्र-भुजाओं से संबंधित मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से बचाएगा

एचएयू के बीड प्रोडक्ट वर्क स्टेशन को मिला डिजाइन अधिकार

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) को बीड प्रोडक्ट वर्क स्टेशन नामक डिजाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिजाइन अधिकार मिला है। भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से जारी डिजाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को 339710-001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई।

कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि इस उत्पाद के आविष्कार से मनका उत्पाद बनाने वाली असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को कार्य करने में बहुत सुविधा होगी। यह वर्क स्टेशन प्रमुख रूप से फर्श पर बैठकर कार्य करने वाले शिल्प श्रमिकों को पीठ के ऊपरी व निचले हिस्से, गर्दन और अग्र-भुजाओं से संबंधित मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से बचाता है, इसलिए इसका उपयोग अन्य बहुउद्देशीय बैठकर कार्य करने के लिए भी किया जा सकता है। देश में असंगठित महिला श्रमिकों का एक बड़ा हिस्सा घरेलू कामगारों के रूप में कार्य करता है, ये महिलाएं बिना किसी सुरक्षा और कठोर परिस्थितियों के काम करती हैं। यह वर्क स्टेशन व्यक्तिगत और साथ ही संगठनात्मक स्तर पर काम करने वाली महिलाओं को व्यवहार्य सहायता प्रदान करता है और कार्य से होने वाले अधिकांश मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से शरीर की रक्षा करता है।

कुलपति के साथ प्रोडक्ट वर्क स्टेशन डिजाइन करने वाली छात्रा एकता व अन्य। संवाद

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय किसानों व आम लोगों के लाभ की ऐसी कई तकनीकों पर काम कर रहा है जिन्हें सही मार्गदर्शन के द्वारा भविष्य में और भी बेहतर बनाने एवं बौद्धिक संपदा के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने यह बीड प्रोडक्ट वर्क स्टेशन डिजाइन करने वाली विश्वविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की शोध छात्रा एकता मलकानी व उनकी गाइड डॉ. मंजु महता को बधाई दी। डॉ. मंजु महता ने कहा कि मनके के तार और मोतियों के आभूषण बनाने में लगी महिलाएं फर्श पर बैठकर लंबे समय तक काम करती हैं। यह वर्क स्टेशन पीठ के ऊपरी हिस्से को आगे की ओर झुकाए बिना एक समय में 2-4 महिलाओं को एक साथ काम करने के लिए आरामदायक जगह प्रदान करता है।

वर्क स्टेशन का स्लाइडिंग समायोजन इस उत्पाद की गतिशीलता के साथ जगह की भी बचत करता है। इसमें भंडारण के लिए स्थान होने के चलते यह श्रमिकों को उनकी सामान्य पहुंच में काम करने में सक्षम बनाता है। इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, सहायक निदेशक आईपीआर सेल, डॉ. विनोद कुमार व मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	8.7.22	4	3-4

एचएयू के बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन को मिला डिजाइन अधिकार : वीसी

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ प्रोडक्ट वर्कस्टेशन डिजाइन करने वाली छात्रा एकता मलकानी व अधिकारीगण। ● विज्ञप्ति

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार को बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन नामक डिजाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिजाइन अधिकार मिला है। भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से जारी डिजाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को 339710-001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने दी। प्रो. काम्बोज ने बताया कि इस उत्पाद के अधिकार से मनका उत्पाद बनाने वाली असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को कार्य करने में बहुत सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि यह वर्कस्टेशन प्रमुख रूप से फर्श पर बैठकर कार्य करने वाले शिल्प श्रमिकों को पीठ के ऊपरी व निचले हिस्से, गर्दन और अग्र-भुजाओं से संबंधित मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से बचाता है इसलिए इसका उपयोग अन्य बहुउद्देशीय बैठकर कार्य करने के लिए भी किया जा सकता है। बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन प्रदान करता है व्यवहार्य सहायता कुलपति ने कहा भारत में असंगठित महिला श्रमिकों का एक बड़ा हिस्सा घरेलू कामगारों के रूप में कार्य करता है और ये महिलाएं बिना किसी सुरक्षा और कठोर परिस्थितियों के काम करती हैं। उन्होंने यह बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन डिजाइन करने वाली विश्वविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की शोध छात्रा एकता मलकानी व उनकी गाइड डा. मंजु महता को बधाई दी। इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. मंजु महता, ओएसडी डा. अतुल ढींगड़ा, सहायक निदेशक आईपीआर सेल, डा. विनोद कुमार व मीडिया एडवाइजर डा. संदीप आर्य उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि-भूमि	8.7.22	10	4-7

बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन को मिला डिजाइन अधिकार

- भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से जारी डिजाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को 339710-001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन नामक डिजाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिजाइन अधिकार मिला है। भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से जारी डिजाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को 339710-001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने दी। प्रो. काम्बोज ने बताया कि इस उत्पाद के अविष्कार से मनका उत्पाद बनाने वाली असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को कार्य करने में बहुत सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि यह वर्कस्टेशन प्रमुख रूप से फर्श पर बैठकर कार्य करने वाले शिल्प श्रमिकों को पीठ के ऊपरी व निचले

हिसार। कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज के साथ प्रोडक्ट वर्कस्टेशन डिजाइन करने वाली छात्रा एकता मलकानी व अधिकारी। फोटो हरिभूमि

श्रमिकों को सामान्य पहुंच में काम करने में होती है सुविधा

डॉ. मंजु महता ने कहा कि मनके के तार और मोतियों के आभूषण बनाने में लगी महिलाएं फर्श पर बैठकर लंबे समय तक काम करती हैं। यह वर्कस्टेशन पीठ के ऊपरी हिस्से को आगे की ओर झुकाए बिना एक समय में 2-4 महिलाओं को एक साथ काम करने के लिए आरामदायक जगह प्रदान करता है।

बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन प्रदान करता है सहायता

कुलपति ने कहा कि भारत में असंगठित महिला श्रमिकों का एक बड़ा हिस्सा घरेलू कामगारों के रूप में कार्य करता है और ये महिलाएं बिना किसी सुरक्षा और कठोर परिस्थितियों के काम करती हैं। यह वर्कस्टेशन व्यक्तिगत और साथ ही संगठनात्मक स्तर पर काम करने वाली महिलाओं को व्यवहार्य सहायता प्रदान करता है और कार्य से होने वाले अधिकांश मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से शरीर की रक्षा करता है।

हिस्से, गर्दन और अग्र-भुजाओं से संबंधित मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से बचाता है इसलिए इसका उपयोग अन्य बहुउद्देशीय बैठकर कार्य करने के लिए भी किया जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	8.7.22	4	1-3

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन को मिला डिज़ाइन अधिकार : कुलपति

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ प्रोडक्ट वर्कस्टेशन डिज़ाइन करने वाली छात्रा एकता मलकानी व अधिकारीगण।

हिसार, 7 जुलाई (विरेंद्र वर्मा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार को बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन नामक डिजाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिज़ाइन अधिकार मिला है। भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से जारी डिजाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को 339710-001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने दी। प्रो. काम्बोज ने बताया कि इस उत्पाद के अविष्कार से मनका उत्पाद बनाने वाली असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को कार्य करने में बहुत सुविधा होगी।

बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन प्रदान करता है व्यवहार्य सहायता : कुलपति ने कहा भारत में असंगठित महिला श्रमिकों का एक बड़ा हिस्सा घरेलू कामगारों के रूप में कार्य करता है और ये महिलाएं बिना किसी सुरक्षा और कठोर परिस्थितियों के काम करती हैं। यह वर्कस्टेशन व्यक्तिगत और साथ ही संगठनात्मक स्तर पर काम करने वाली महिलाओं को व्यवहार्य सहायता प्रदान करता है और कार्य से होने वाले अधिकांश मस्कुलों-स्केलेटल विकारों से शरीर की रक्षा करता है। उन्होंने यह बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन डिज़ाइन करने वाली विश्वविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की शोध छात्रा एकता मलकानी व उनकी गाइड डॉ. मंजु महता को बधाई दी।

श्रमिकों को सामान्य पहुंच में काम करने में होती है सुविधा : डॉ. मंजू महता ने कहा कि मनके के तार और मोतियों के आभूषण बनाने में लगी महिलाएं फर्श पर बैठकर लंबे समय तक काम करती हैं। यह वर्कस्टेशन पीठ के ऊपरी हिस्से को आगे की ओर झुकाए बिना एक समय में 2-4 महिलाओं को एक साथ काम करने के लिए आरामदायक जगह प्रदान करता है। वर्कस्टेशन का स्लाइडिंग समायोजन इस उत्पाद की कॉम्पैक्टनेस और गतिशीलता के साथ जगह की भी बचत करता है। इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, सहायक निदेशक आईपीआर सेल, डॉ. विनोद कुमार व मीडिया एडवाइज़र डॉ. संदीप आर्य उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	8.7.22	2	7-8

हकृवि के बीड प्रोडेक्ट वर्कस्टेशन को मिला डिजाइन अधिकार

हिसार, 7 जुलाई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन नामक डिजाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिजाइन अधिकार मिला है। भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से जारी डिजाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को 339710-001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने दी।

प्रो. काम्बोज ने बताया कि इस उत्पाद के अविष्कार से मनका उत्पाद बनाने वाली असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को कार्य करने में बहुत सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि यह वर्कस्टेशन प्रमुख रूप से फर्श पर बैठकर कार्य करने वाले शिल्प श्रमिकों को पीठ के ऊपरी व निचले हिस्से, गर्दन और अग्र-भुजाओं से संबंधित मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से बचाता है इसलिए इसका उपयोग अन्य बहुउद्देशीय बैठकर कार्य करने के लिए भी किया जा सकता है। विश्वविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की शोध छात्रा एकता मलकानी ने यह बीड प्रोडेक्ट वर्कस्टेशन डिजाइन किया है। छात्रा की गाइड मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता रही।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	8.7.22	3	4

प्रोडक्ट पर दस साल का मिला डिजाइन अधिकार

हिसार, 7 जुलाई (निस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) को बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन नामक डिजाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिजाइन अधिकार मिला है।

भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से जारी डिजाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को 339710.001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई। कुलपति प्रो बीआर काम्बोज ने बताया कि इस उत्पाद के अविष्कार से मनका उत्पाद बनाने वाली असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को कार्य करने में बहुत सुविधा होगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	8.7.22	2	7-8

AGRI VARSITY ORGANISES VAN MAHOTSAV

Hisar: Climate change is a major challenge of the 21st century. To deal with this challenge, it is important to increase the number of trees. The Vice-Chancellor, Chaudhary Charan Singh Haryana Agriculture University, Prof BR Kamboj, said this while speaking at the inauguration of Van Mahotsav on the university campus. He said carbon dioxide was the biggest contributor to climate change, but trees and plants absorbed and converted it into life-giving oxygen and purified the atmosphere. Tree plantation should be undertaken as a social campaign and every citizen should contribute to it and plant more and more saplings, he added. On this occasion, the Dean, Indira Chakravarti Home Science College, Dr Manju Mahata, informed that 450 saplings were planted during the plantation drive. TNS

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	7.7.22	4	1-2

जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए वृक्षों की संख्या बढ़ाना जरूरी : प्रो. काम्बोज

वृक्षारोपण के पश्चात कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ महाविद्यालय की डीन व छात्राएं।

कुलपति ने किया होम साइंस कालेज में वन महोत्सव का शुभारंभ

हिसार, 6 जुलाई (ब्यूरो) : जलवायु परिवर्तन 21वीं सदी की एक बड़ी चुनौती है जिससे निपटने के लिए अन्य उपायों के साथ-साथ वृक्षों की संख्या बढ़ाना अति आवश्यक है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वे आज विश्वविद्यालय में वन महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे।

कुलपति ने कहा कि जलवायु परिवर्तन में सबसे अधिक योगदान कार्बन डाइ आक्साइड गैस का है लेकिन पेड़-पौधे इसे अवशोषित करके इसको जीवनदायिनी ऑक्सीजन गैस में परिवर्तित कर वातावरण को शुद्ध करते हैं। उन्होंने कहा वृक्षों का हमारे जीवन से गहरा संबंध है। ये हमें मूल्यवान प्राणवायु, फल-फूल, औषधियां जैसे जीवन के लिए जरूरी वस्तुएं प्रदान करते हैं, लेकिन मनुष्य विकास के नाम पर वनों को समाप्त कर रहा है, जिससे हमारे जीवन के लिए जोखिम बढ़ रहा है। इसलिए हर खाली स्थान पर अधिक से अधिक पेड़ लगाने की आवश्यकता है।

इस मौके पर उन्होंने इन्दिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय परिसर में कचनार का पौधा रोपित करके वन महोत्सव का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय व लैंडस्केप इकाई द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। डीन डॉ. मंजु महता ने बताया कि पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान कुल 450 पौधे रोपित किए गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	07.07.2022	------	--------

मनका उत्पाद में कार्य करने वाली महिलाओं को होगी सुविधा : वीसी

हकृवि के बीड प्रोडक्ट वर्क स्टेशन को मिला डिज़ाइन अधिकार

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार को बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन नामक डिज़ाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिज़ाइन अधिकार मिला है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने दी।

प्रो. काम्बोज ने बताया कि इस उत्पाद के अविष्कार से मनका उत्पाद बनाने वाली असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को कार्य करने में बहुत सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि यह वर्कस्टेशन प्रमुख रूप से फर्श पर बैठकर कार्य करने वाले शिल्प श्रमिकों को पीठ के ऊपरी व निचले हिस्से, गर्दन और अग्र-भुजाओं से संबंधित मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से बचाता है इसलिए इसका उपयोग अन्य बहुउद्देशीय बैठकर कार्य करने के लिए भी किया जा सकता है।

कुलपति ने कहा भारत में असंगठित महिला श्रमिकों का एक बड़ा हिस्सा घरेलू कामगारों के रूप में कार्य करता है और ये महिलाएँ बिना किसी सुरक्षा और कठोर परिस्थितियों के काम करती हैं। यह वर्कस्टेशन व्यक्तिगत और साथ ही संगठनात्मक स्तर पर काम करने वाली महिलाओं को व्यवहार्य सहायता प्रदान करता है और कार्य से होने वाले अधिकांश मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से शरीर की रक्षा करता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय किसानों व आम लोगों के लाभ की ऐसी कई तकनीकों पर काम कर रहा है जिन्हें सही मार्गदर्शन के द्वारा भविष्य में और भी बेहतर बनाने एवं बौद्धिक सम्पदा के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है।

श्रमिकों को सामान्य पहुंच में काम करने में होती है सुविधा : डॉ. मंजु महता ने कहा कि मनके के तार और मोतियों के आभूषण बनाने में लगी महिलाएँ फर्श पर बैठकर लंबे समय तक काम करती हैं। यह वर्कस्टेशन पीठ के ऊपरी हिस्से को आगे की ओर झुकाए बिना एक समय में 2-4 महिलाओं को एक साथ काम करने के लिए आरामदायक जगह प्रदान करता है। इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, सहायक निदेशक आईपीआर सेल, डॉ. विनोद कुमार व मीडिया एडवाइज़र डॉ. संदीप आर्य उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	07.07.2022	------	--------

शोध छात्रा मलकानी के बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन के डिजाइन को मिला पेटेंट

हिसार/ 07 जुलाई/ रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन नामक डिजाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिजाइन अधिकार मिला है। भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से जारी डिजाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को पंजीकरण संख्या प्रदान की गई। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने देते हुए बताया कि इस उत्पाद के अविष्कार से मनका उत्पाद बनाने वाली असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को कार्य करने में बहुत सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि यह वर्कस्टेशन प्रमुख रूप से फर्श पर बैठकर कार्य करने वाले शिल्प श्रमिकों को पीठ के ऊपरी व निचले हिस्से, गर्दन और अग्र-भुजाओं से संबंधित मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से बचाता है इसलिए इसका उपयोग अन्य बहुउद्देशीय बैठकर कार्य करने के लिए भी किया जा सकता है। कुलपति ने कहा भारत में असंगठित महिला श्रमिकों का एक बड़ा हिस्सा घरेलू कामगारों के रूप में कार्य करता है और ये महिलाएं बिना किसी सुरक्षा और कठोर परिस्थितियों के काम करती हैं। यह वर्कस्टेशन व्यक्तिगत और साथ ही संगठनात्मक स्तर पर काम करने वाली महिलाओं को व्यवहार्य सहायता प्रदान करता है और कार्य से होने वाले अधिकांश मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से शरीर की रक्षा करता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय किसानों व आम लोगों के लाभ की ऐसी कई तकनीकों पर काम कर रहा है जिन्हें सही मार्गदर्शन के द्वारा भविष्य में और भी बेहतर बनाने एवं बौद्धिक सम्पदा के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने यह बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन डिजाइन करने वाली विश्वविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की शोध छात्रा एकता मलकानी व उनकी गाइड डॉ. मंजु महता को बधाई दी। डॉ. मंजु महता ने कहा कि मनके के तार और मोतियों के आभूषण बनाने में लगी महिलाएं फर्श पर बैठकर लंबे समय तक काम करती हैं। यह वर्कस्टेशन पीठ के ऊपरी हिस्से को आगे की ओर झुकाए बिना एक समय में 2-4 महिलाओं को एक साथ काम करने के लिए आरामदायक जगह प्रदान करता है। वर्कस्टेशन का स्लाइडिंग समायोजन इस उत्पाद की कॉम्पैक्टनेस और गतिशीलता के साथ जगह की भी बचत करता है। इसमें भंडारण के लिए स्थान होने के चलते यह श्रमिकों को उनकी सामान्य पहुंच में काम करने में सक्षम बनाता है। इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, सहायक निदेशक आईपीआर सेल, डॉ. विनोद कुमार व मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	07.07.2022	------	--------

चौ.च.सिं. हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन को मिला डिज़ाइन अधिकार : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

समस्त हरियाणा ब्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार को बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन नामक डिजाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिज़ाइन अधिकार मिला है। भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से जारी डिजाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को 339710-001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने दी। प्रो. काम्बोज ने बताया कि इस उत्पाद के अविष्कार से मनका उत्पाद बनाने वालीं आसंगठित क्षेत्र में काम करने वालीं महिलाओं को कार्य करने में बहुत सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि यह वर्कस्टेशन प्रमुख रूप से फर्श पर बैठकर कार्य करने वाले विल्प श्रमिकों को पीठ के ऊपरी व निचले हिस्से, गर्दन और अग्र-भुजाओं से संबंधित मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से बचाता है इसलिए इसका उपयोग अन्य बहुउद्देशीय बैठकर कार्य करने के लिए भी किया जा सकता है। बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन प्रदान करता है व्यवहार्य सहायता कुलपति ने कहा भारत में

असंगठित महिला श्रमिकों का एक बड़ा हिस्सा घरेलू कामगारों के रूप में कार्य करता है और ये महिलाएँ बिना किसी सुरक्षा और कठोर परिस्थितियों के काम करती हैं। यह वर्कस्टेशन व्यक्तिगत और साथ ही संगठनात्मक स्तर पर काम करने वालीं महिलाओं को व्यवहार्य सहायता प्रदान करता है और कार्य से होने वाले अधिकांश मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से सुरक्षा की रक्षा करता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय किसानों व आम लोगों के लाभ की ऐसी कई तकनीकों पर काम कर रहा है जिन्हें सही मार्गदर्शन के द्वारा भविष्य में और भी बेहतर बनाने एवं बौद्धिक सम्पदा के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने यह बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन डिज़ाइन करने वाली विश्वविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की शोध छात्रा प्रकता मलकानी व उनकी गाइड डॉ. मंजु महता को बधाई दी। डॉ. मंजु महता ने कहा कि मनके के तार और मोतियों के आभूषण बनाने में लगी महिलाएँ फर्श पर बैठकर लंबे समय तक काम करती हैं। यह वर्कस्टेशन पीठ के ऊपरी हिस्से को आगे की ओर झुकाए बिना एक समय में 2-4 महिलाओं को एक साथ काम करने के लिए आरामदायक जगह प्रदान कराता है। वर्कस्टेशन का स्लाइडिंग समायोजन इस उत्पाद की कॉम्पैक्टनेस और मोबिलिटी के साथ जगह को भी बचत कराता है। इसमें भंडारण के लिए स्थान होने के कारण यह श्रमिकों को उनकी सामान्य पहुँच में काम करने में सक्षम बनाता है। इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, सहायक निदेशक आईपीआर सेल, डॉ. विनोद कुमार व मेडिकल एडवाइज़र डॉ. संदीप आर्य उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	07.07.2022	------	--------

एचएयू के बीड प्रोडक्ट वर्क स्टेशन को मिला डिजाइन अधिकार

कुलपति के साथ प्रोडक्ट वर्कस्टेशन डिजाइन करने वाली छात्रा एकता व अधिकारीगण।

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार को बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन नामक डिजाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिजाइन अधिकार मिला है। भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से जारी डिजाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को 339710-001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई। कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने बताया कि इस उत्पाद के अविष्कार से मनका उत्पाद बनाने वाली असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को कार्य करने में बहुत सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि यह वर्कस्टेशन प्रमुख रूप से फर्श पर बैठकर कार्य करने वाले शिल्प श्रमिकों को पीठ के ऊपरी व निचले हिस्से, गर्दन और अग्र-भुजाओं से संबंधित मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से बचाता है इसलिए इसका उपयोग अन्य बहुउद्देशीय बैठकर कार्य करने के लिए भी किया जा सकता है।

उन्होंने यह बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन डिजाइन करने वाली विश्वविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की शोध छात्रा एकता मलकानी व उनकी गाइड डॉ. मंजु महता को बधाई दी। डॉ. महता ने कहा कि मनके के तार और मोतियों के आभूषण बनाने में लगी महिलाएं फर्श पर बैठकर लंबे समय तक काम करती हैं। वर्कस्टेशन का स्लाइडिंग समायोजन इस उत्पाद की कॉम्पैक्टनेस और गतिशीलता के साथ जगह की भी बचत करता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	8.7.22	4	4-8

Cotton farmers faced losses in last kharif season, suggests HAU report

DEEPENDER DESWAL
TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, JULY 7

As farmers were demanding compensation for cotton crop last year in Hisar, the Economic Report of Chaudhary Charan Singh Haryana Agriculture University (HAU), Hisar, has also suggested that the cotton farmers were indeed at a loss in the cotton belt of Hisar, Bhiwani, Sirsa districts etc.

The report (a copy of which is with *The Tribune*) indicated that the farmers had suffered a loss of about Rs 5,721 per acre on an average in the state when the total input costs were compared with the gross return.

Hisar and Sirsa farmers were at a heavy loss of Rs 10,030 and Rs 8,337, respectively. The report mentioned that the incidence of pink bollworm had been observed but it was above the economic threshold level. However, the farmers had complained that the pink bollworm coupled with inundation of fields due to heavy untimely rains had inflicted huge damage to the cotton crop in the 2021 kharif season.

Though the insurance firms have compensated the

FILE PHOTO

COTTON PRODUCTION PER ACRE IN RUPEES

	Hisar	Sirsa	State average
Total cost	₹35041	₹36,010	₹35,241
Gross return	₹24984	₹27,673	₹29,520
Net return	₹-10,030	₹-8,337	₹-5,721
Return over variable cost	₹5,142	₹8,565	₹8,375

*IF THE MANAGEMENT CHARGES, RISK FACTOR, TRANSPORTATION AND RENTAL VALUE OF LAND ARE EXCLUDED FROM TOTAL COST

SHOULD GET RELIEF

"We have been holding dharna at Balsamand sub-tehsil office for the past 57 days. We demand that all cotton farmers should get adequate compensation.
. Surender Arya, A FARMER LEADER

SOME NOT COMPENSATED

"The government has not given compensation to farmers in the regions of Balsamand, Adampur and Kheri Chopta which had below 25 per cent crop loss. Revenue official, HISAR

UNINSURED ONES DEMAND SPECIAL GIRDAWARI

Though the insurance firms have compensated the affected insured farmers under the Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana, the uninsured farmers had demanded special girdawari of the crop damage and compensation from the state government.

under the Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana (PMFBY), the un-insured farmers had demanded special girdawari of the crop damage and compensation from the state government. A revenue official from Hisar said the state government had also given compensation to the farmers

samand, Adampur and Kheri Chopta which had below 25 per cent crop loss. However, these farmers too raised doubts over the special girdawari and have started agitation on their demand for compensation.

Meanwhile, the HAU's report on the 'Economics of

2021' has compiled sample size data of the farmers from Hisar, Bhiwani, Sirsa, Rewari and Mahendergarh districts. The data analysis indicated that the total input cost of one acre of cotton is Rs 35,241 which includes tillage, seed, fertiliser, irrigation, harvesting, management charges,

rental value of land. Of this, the farmer garnered the gross return of Rs 29,520 per acre — a net loss of Rs 5,721.

However, the report suggested that the farmers had fetched a return of Rs 8,375 per acre if the gross income was compared with only the variable cost of inputs that excluded the management charges, risk factor, transportation and rental value of the land. Mange Ram Sharma, a farmer of Kirtan village, said he garnered about 16 quintals of cotton from five acres. "The production should have crossed 40 quintals if the rains and bollworm had not affected the crop", he said. Surender Arya, a farmer leader said they had been holding dharna at Balsamand sub-tehsil office for the past 57 days. "We demand that all cotton farmers should get adequate compensation", he said adding that the university report has substantiated the demand of the farmers. Congress Rajya Sabha MP Deepender Hooda visited the dharna site yesterday to back the farmers' demand while RLD leader Jayanat Chaudhary too had come out is support of the farmers

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक हिसार	08.07.2022	------	--------

चौ.च.सिं. हकृपि के बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन को मिला डिज़ाइन अधिकारः प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार को बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन नामक डिज़ाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिज़ाइन अधिकार मिला है। भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से जारी

डिजाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को 339710-001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने दी।

प्रो. काम्बोज ने बताया कि इस उत्पाद के अविष्कार से मनका उत्पाद बनाने वाली असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को कार्य करने में बहुत सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि यह वर्कस्टेशन प्रमुख रूप से फर्श पर बैठकर कार्य करने वाले शिल्प श्रमिकों को पीठ के ऊपरी व निचले हिस्से, गर्दन और अग्र-भुजाओं से संबंधित मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से बचाता है इसलिए इसका उपयोग अन्य बहुउद्देशीय बैठकर कार्य करने के लिए भी किया जा सकता है।

कुलपति ने कहा भारत में असंगठित महिला श्रमिकों का एक बड़ा हिस्सा घरेलू कामगारों के रूप में कार्य करता है और ये महिलाएँ बिना किसी सुरक्षा और कठोर परिस्थितियों के काम करती हैं। यह वर्कस्टेशन व्यक्तिगत और साथ ही संगठनात्मक स्तर पर काम करने वाली महिलाओं को व्यवहार्य सहायता प्रदान करता है और कार्य से होने वाले अधिकांश मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से शरीर की रक्षा करता है।

इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, सहायक निदेशक आईपीआर सेल, डॉ. विनोद कुमार व मीडिया एडवाइज़र डॉ. संदीप आर्य उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्थान समाचार	08.07.2022	------	--------

असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को कार्य करने में होगी सुविधा

हिसार, 07 जुलाई (हि.स.)। यहां के हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन नामक डिजाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिजाइन अधिकार मिला है। भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से जारी डिजाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को 339710-001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने गुरूवार को बताया कि इस उत्पाद के अधिकार से मनका उत्पाद बनाने वाली असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को कार्य करने में बहुत सुविधा होगी। यह वर्कस्टेशन प्रमुख रूप से फर्श पर बैठकर कार्य करने वाले शिल्प श्रमिकों को पीठ के ऊपरी व निचले हिस्से, गर्दन और अग्र-भुजाओं से संबंधित मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से बचाता है इसलिए इसका उपयोग अन्य बहुउद्देशीय बैठकर कार्य करने के लिए भी किया जा सकता है।

कुलपति ने कहा भारत में असंगठित महिला श्रमिकों का एक बड़ा हिस्सा घरेलू कामगारों के रूप में कार्य करता है और ये महिलाएँ बिना किसी सुरक्षा और कठोर परिस्थितियों के काम करती हैं। यह वर्कस्टेशन व्यक्तिगत और साथ ही संगठनात्मक स्तर पर काम करने वाली महिलाओं को व्यवहार्य सहायता प्रदान करता है और कार्य से होने वाले अधिकांश मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से शरीर की रक्षा करता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय किसानों व आम लोगों के लाभ की ऐसी कई तकनीकों पर काम कर रहा है जिन्हें सही मार्गदर्शन के द्वारा भविष्य में और भी बेहतर बनाने एवं बौद्धिक सम्पदा के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने यह बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन डिजाइन करने वाली विश्वविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की शोध छात्रा एकता मलकानी व उनकी गाइड डॉ. मंजू महता को बधाई दी।

डॉ. मंजू महता ने कहा कि मनके के तार और मोतियों के आभूषण बनाने में लगी महिलाएं फर्श पर बैठकर लंबे समय तक काम करती हैं। यह वर्कस्टेशन पीठ के ऊपरी हिस्से को आगे की ओर झुकाए बिना एक समय में दो-चार महिलाओं को एक साथ काम करने के लिए आरामदायक जगह प्रदान करता है। वर्कस्टेशन का स्लाइडिंग समायोजन इस उत्पाद की कॉम्पैक्टनेस और गतिशीलता के साथ जगह की भी बचत करता है। इसमें भंडारण के लिए स्थान होने के चलते यह श्रमिकों को उनकी सामान्य पहुंच में काम करने में सक्षम बनाता है।

इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, सहायक निदेशक आईपीआर सेल, डॉ. विनोद कुमार व सीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य उपस्थित थे।

हिन्दुस्थान समाचार/राजेश्वर/संजीव